मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने शिष्टाचार भेंट की।

'जुबीन की मौत के तथ्य 10 दिसम्बर तक आ सकते हैं'

गुवाहाटी, 01 नवंबर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि गायक ज़ुबीन गर्ग की मौत की जाँच कर रही पुलिस का विशेष जाँच दल (एसआईटी) 10 दिसंबर से पहले आरोपपत्र दाखिल कर सकता है। शर्मा ने आज कहा कि 10 दिसंबर तक सच्चाई सबके सामने आ जाएगी। सिंगापुर में ज़ुबीन गर्ग की रहस्यमयी मौत की जाँच के लिए इस साल की शुरुआत में गठित एसआईटी फोरेंसिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की जाँच के अंतिम चरण में है। जाँच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और उन्हें शत-प्रतिशत न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, "अगर मैं कोई काम हाथ में लेता हूँ, तो मैं यह सुनिश्चित करता हूँ कि वह तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचे। जाँच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। हमारे पास ठोस सबूत हैं। एसआईटी और असम पुलिस इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "हम 10 दिसंबर तक लोगों के सामने तथ्य प्रस्तुत करने की योजना बना रहे हैं ,हालाँकि 17 दिसंबर अंतिम समय सीमा है, मुझे विश्वास है कि हम 10 दिसंबर तक ही तैयार हो जाएँगे।

राजस्थान ने 11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों में देश में प्रथम स्थान हासिल किया

मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार की 2024-25 की उपलब्धियों ने रिकॉर्ड तोड़ा

- योग दिवस, अंग दान-अंग प्रत्यारोपण, मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी गतिविधियों, फसल बीमा, स्वच्छता, अक्षय एवं सौर ऊर्जा में राजस्थान का प्रदर्शन पूरे देश में सर्वोत्तम था तथा इसकी केन्द्र ने प्रशंसा भी की।

जयपुर, 1 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनकल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं के धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप वर्ष 2024-25 के दौरान प्रदेश 11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं में पहला स्थान प्राप्त करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल रहा।

शर्मा के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के आयोजन में राजस्थान पूरे देश में शीर्ष स्थान पर रहा। केन्द्र सरकार के आयुष मंत्रालय के 'योगा संगम पोर्टल' के अनुसार 62 हजार 915 स्थलों पर 85 लाख 31 हजार 185 प्रतिभागियों के साथ पूरे भारत में राज्य प्रथम स्थान पर रहा। वहीं, अंगदान को बढ़ावा देने तथा अंग व प्रत्यारोपण में उभरते हुए राज्य के रूप में राजस्थान को वर्ष 2025 के लिए प्रथम स्थान के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

सितम्बर 2025 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जारी रैंकिंग में पहले स्थान के साथ ही पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश शीर्ष पर रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2025) के तहत 2.18 करोड़ पॉलिसियां जारी कर राजस्थान देश में प्रथम है। साथ ही, अक्षय एवं सौर ऊर्जा क्षमता स्थापना में राजस्थान पीएम कुसुम योजना कंपोनेंट-ए में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान पर रहा है।

वर्ष 2024 के लिए पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित फिट इंडिया फ्रीडम रन एवं विकसित भारत संकल्प यात्रा में राजस्थान देशभर में प्रथम स्थान पर रहा। राज्य ने कृषि विभाग में सरकारी प्रक्रियाओं में डिजिटल परिवर्तन हेतु राष्ट्रीय ई-गवर्नेन्स रजत पुरस्कार (द्वितीय स्थान) भी हासिल किया है।

प्रदेश ने पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-बी एवं कंपोनेंट-सी एफएलएस के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान पर है। वहीं, वर्ष 2024 के लिए टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अंतर्गत टीबी मुक्त पंचायतें घोषित करने एवं अभियान के दौरान 100 दिवसीय कैम्पेन में एसीएसएम गतिविधियों के लिए देश में तृतीय स्थान पर रहा।

इसके अलावा तंबाकू फ्री यूथ कैम्पेन 2.0 के अंतर्गत बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट एवं नेशनल प्रोग्राम फोर पेलिएटिव केयर में उत्कृष्ट योगदान के लिए तृतीय स्थान पर है। साथ ही आयुष्मान भारत (पीएम-जेएवाई) क्लेम सेटलमेंट एवं हॉस्पिटल एम्पैनलमेंट में वर्ष 2024-25 में भी देशभर में तीसरे स्थान पर रहा।

डंपर ने लोडिंग टैक्सी को टक्कर मारी, चार की मौत, 11 घायल

हादसा फलौदी जिले के एनएच-11 पर एक रैस्टोरेंट के सामने हुआ

- लोडिंग टैक्सी में मजदूर सवार थे, जो मध्य प्रदेश से आए थे। हादसे में लोडिंग टैक्सी ड्राइवर और तीन श्रमिकों की मौत हो गई तथा 11 घायलों में 6 महिला श्रमिक व तीन बच्चे हैं।

जोधपुर, 1, नवंबर (कासं)। निकटवर्ती फलोदी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11 पर एक रेस्टोरेंट के सामने शुक्रवार की देर रात सड़क किनारे खड़ी मजदूरों से भरी लोडिंग टैक्सी को किसी डंपर के चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में तीन श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई, साथ ही लोडिंग टैक्सी चालक की भी मौत हो गई। ग्यारह अन्य श्रमिक घायल हो गए, जिन्हें देर रात फलोदी चिकित्सालय ले जाया गया। सात घायलों को जोधपुर रैफर किया गया। हादसे में घायल छह महिला मजूदरों के साथ तीन बच्चे भी हैं।

फलोदी पुलिस के अनुसार एनएच-11 पर देर रात मजदूरों से भरी लोडिंग टैक्सी सड़क किनारे खड़ी थी। तब पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने नियंत्रण खो दिया और सीधे टैक्सी में जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और कई लोग उसमें फंस गए। हादसे की जानकारी मिलने पर फलोदी पुलिस एवं108 एम्बुलेंसकर्मी मौके पर पहुंचे। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाल कर फलोदी के जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जोधपुर रैफर कर दिया। सूत्रों के अनुसार सभी घायल मध्य प्रदेश के निवासी बताए जा रहे हैं, जो जोधपुर जिले में आसपास के खेतों में मजदूरी करने आए हुए थे।

देश का पहला ट्राइबल म्युज़ियम शुरू

- प्र.मंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ में बने इस म्युज़ियम का लोकार्पण किया।

रायपुर, 01 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर यहां देश के पहले डिजिटल जनजातीय संग्रहालय शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का लोकार्पण किया।

मोदी ने नवा रायपुर के सेक्टर-24 में लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस संग्रहालय का उद्घाटन किया।

यह संग्रहालय उन महान आदिवासी नायकों को समर्पित है, जिन्होंने अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यह संग्रहालय न केवल इतिहास का दर्पण है, बल्कि आने वाली पीढ़ि यों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के प्रमुख जनजातीय आंदोलनों, हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भूमकाल आंदोलन, सोनाखान विद्रोह, झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह की प्रेरक झलकियों को 14 अलग-अलग सेक्टरों में प्रस्तुत किया गया है।

'एनडीए कहता है एक करोड़ रोजगार देंगे, पर 20 साल से रोजगार क्यों नहीं दिया'

प्रियंका गांधी ने बेगुसराय के बछवाड़ा में एक जनसभा में एनडीए सरकार पर बेरोजगारी, गरीबी व पलायन बढ़ाने का आरोप लगाया

- प्रियंका ने कहा, बेरोजगारी इस कदर है कि केरल से लेकर कश्मीर तक बिहार के युवा मजदूरी करने को मजबूर हैं।
- मतदाता सूची से 65 लाख नाम काटने को प्रियंका ने बड़ी साजिश बताते हुए कहा कि लोगों को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

बेगूसराय, 01 नवंबर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को बिहार में बेगूसराय जिले के बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुये एनडीए सरकार पर तीखा प्रहार किया और कहा कि, 'पिछले 20 सालों से सत्ता में बैठी सरकार ने बिहार की जनता को सिर्फ गरीबी, बेरोजगारी और पलायन दिया है।'

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अब बिहार की जनता को सोच- समझकर अपने भविष्य का फैसला करना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जनता को बरगलाने और भविष्य- अतीत की बातों में उलझाने का काम कर रही है, लेकिन जनता के संघर्षशील वर्तमान की चर्चा नहीं करती।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने यहीं से संविधान के लिये लड़ाई शुरू की थी, लेकिन आज उसी संविधान को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। बिहार में 20 साल से राजग की सरकार है, जिसने जनता को कमजोर करने और जाति- धर्म के नाम पर बांटने की साजिश की है। उन्होंने मतदाता सूची से 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने का मुद्दा उठाते हुये कहा कि यह एक बड़ी साजिश है, जिससे लोगों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव श्रीमती गांधी ने बेरोजगारी और पलायन को लेकर कहा कि बिहार के युवा रोजगार के अभाव में केरल से लेकर कश्मीर तक मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि खेती- किसानी से भी अब आमदनी नहीं हो पा रही है, महंगाई चरम पर है और सरकार देश की संपत्ति निजी हाथों में बेच रही है।

उन्होंने राज्य में सत्तारुढ़ एनडीए सरकार पर हमला करते हुये कहा कि, 'राजग सरकार के नेता कहते हैं कि हम एक करोड़ रोजगार देंगे, लेकिन यह नहीं बताते कि 20 साल में रोजगार क्यों नहीं दिया गया?'

कांग्रेस नेता ने महिलाओं की स्थिति पर चिंता जताते हुये कहा कि बिहार में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और सरकार ने उनके लिये कोई ठोस कदम नहीं उठाये हैं। उन्होंने कहा कि यहां बहन- बेटियां आज भी असुरक्षित महसूस करती हैं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डबल इंजन सरकार' के दावे पर कटाक्ष करते हुये कहा कि, 'यह सिंगल इंजन सरकार है, क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कोई नहीं सुनता। सारे फैसले दिल्ली से लिये जाते हैं और उन्हें सम्मान नहीं दिया जा रहा।'

सभा के अंत में प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार की जनता से महागठबंधन के प्रत्याशियों को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की सरकार बनने पर हर परिवार के एक सदस्य को रोजगार, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और भ्रष्टाचार- मुक्त शासन मिलेगा। अब बिहार को बदलाव की जरूरत है। आपको भटकाना नहीं है, बल्कि बिहार को नई दिशा देनी है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के भाषण के दौरान सभा स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी थी और इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बदलाव लाना है, प्रियंका को लाना है और महागठबंधन ज़िंदाबाद के नारे जमकर लगाये।

सबसे भारी संचार उपग्रह के लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू

- यह अतंरिक्ष यान एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए बाहुबली नाम दिया गया है।

श्रीहरिकोटा, 01 नवंबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि 4,000 किलोग्राम से ज़्यादा वज़नी संचार उपग्रह सीएमएस-03 के प्रक्षेपण के लिए 24 घंटे की उल्टी गिनती शनिवार को शुरू हो गई। अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वज़नी यह उपग्रह भारतीय धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित होने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह अंतरिक्ष यान एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए बाहुबली नाम दिया गया है। इसरो ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से असेंबल और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है और इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे लॉन्च पैड पर ले जाया गया है।

कैनडा के प्र.मं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुराने रेडियो संबोधन का अंश इस्तेमाल किया गया था। इसमें रीगन को टैरिफ नीतियों की आलोचना करते हुए सुना जा सकता है। विज्ञापन का उद्देश्य यह दिखाना था कि अमेरिकी टैरिफ न केवल अनुचित हैं बल्कि कनाडाई अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह भी हैं।

हालांकि, इस एड को देखते ही डोनाल्ड ट्रंप नाराज हो गए। उनका कहना था कि इस विज्ञापन ने रीगन के असली बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया है जिससे ऐसा लगा जैसे वे टैरिफ के खिलाफ थे। ट्रंप ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि मार्क कार्नी ने उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और इस विज्ञापन के लिए माफी मांगी।

ट्रंप ने कहा कि मार्क कार्नी बहुत अच्छे व्यक्ति हैं। उन्होंने माफी मांगी क्योंकि वह विज्ञापन फर्जी था। उसमें रीगन के असली शब्दों को गलत तरीके से दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था और मैं उनकी ईमानदारी की सराहना करता हूं। यह पूरा मामला तब और दिलचस्प हो गया जब दोनों नेताओं की मुलाकात एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट के दौरान बुधवार को हुई। बताया जाता है कि यह विज्ञापन टोरंटो ब्लू जेज और लॉस एंजेलिस डॉजर्स के बीच हुए वर्ल्ड सीरीज मैच के दौरान प्रसारित हुआ था जिससे लाखों लोगों ने इसे देखा।

स्वस्थ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शक्ति के जीवन पर परिवर्तनकारी प्रभाव डालते हैं। गौरतलब है कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य देखभाल और ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग के लिए रिकॉर्ड पंजीकरण के साथ तीन नये गिनीज रिकॉर्ड बने हैं।

'2005 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिहार विधानसभा के 243 सदस्य 6 और 11 नवम्बर को दो चरणों में मतदान करेंगे, और मतगणना 14 नवम्बर को होगी।

प्रशांत किशोर की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का उभरना उन क्षेत्रों में खास चिंता का विषय है, जहां पहले भी चुनावी अंतर बहुत कम रहा है। पार्टी रणनीतिकारों को डर है कि युवाओं, पिछड़ी जातियों और महत्वाकांक्षी ग्रामीण मतदाताओं जैसे मुख्य वोट समूहों में बंटवारा, विपक्ष को फायदा पहुँचा सकता है या फिर विधानसभा में त्रिशंकु स्थिति पैदा कर सकता है। हालांकि, एनडीए अपने मज़बूत संगठन पर भरोसा जताता है, लेकिन उसके भीतर भी यह स्वीकार किया जा रहा है कि किशोर का अभियान बेरोजगारी, पलायन और क़ानून-व्यवस्था जैसी समस्याओं से जूझ रहे इलाकों में लोगों के दिलों को छू गया है।

किशोर का चुनाव से पहले किसी भी गठबंधन से नहीं जुड़ना इस अटकल को और बढ़ा रहा है कि खंडित जनादेश की स्थिति में वे "किंगमेकर", की भूमिका निभा सकते हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि किशोर की सबसे बड़ी ताकत निर्णय लेने का उनका अप्रत्याशित तरीका है, चाहे वह मतदाताओं को जुटाने के तरीके में हो या चुनाव बाद के फैसलों में।

जैसे-जैसे बिहार एक बेहद कड़ी चुनावी जंग की तैयारी कर रहा है, प्रशांत किशोर सिर्फ एक चुनौतीकर्ता के रूप में नहीं, बल्कि राज्य की राजनीति का स्वरूप बदलने वाले एक उत्प्रेरक (कैटलिस्ट) के रूप में उभर रहे हैं। जनता के बीच अपनी पकड़ को चुनावी सफलता में बदलने की उनकी क्षमता ही यह तय करेगी कि अगले बिहार विधानसभा में सत्ता का संतुलन किसके पक्ष में झुकेगा।

इंदौर में गोडाउन में आग, दो महिलाएं जिंदा जली

- दोनों महिलाएं इस कैमिकल गोडाउन में काम करती थीं
- बताया जाता है कि देव उठनी एकादशी पर दोनों महिलाएं गोडाउन में दिया जला रही थीं, तब यह हादसा हुआ।

इंदौर, 01 नवंबर। इंदौर के केट रोड के एक केमिकल गोडाउन में आग लग गई। जिस वक्त आग लगी, उस वक्त फैक्टरी में कुछ कर्मचारी के फंसे होने की शंका जताई गई थी। आग लगने की वजह दवे उठनी एकादशी पर गोडाउन में जलाया गया दीपक बना है। महिलाएं दीपक जला रही थीं, तभी उनकी साड़ी में आग लग गई। वे बाहर नहीं निकल पाईं। उनके साथ कुछ बच्चे भी थे। वे बाहर भागे और आग लगने की जानकारी दी।

आग पर काबू पाए जाने के बाद जब फायरब्रिगेड कर्मी गोडाउन के भीतर पहुंचे, तो उन्हें दो महिलाएं जली अवस्था में मिली। दोनों गोडाउन की कर्मचारी थी। गोडाउन में अन्य कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका जताई गई है। इसके चलते तलाश की जा रही है। आग पर दो घंटे के बाद काबू पाया जा सका। केमिकल गोडाउन के आगे के हिस्से में शाम को लोगों ने धुंआ उठते देखा।

गोडाउन में केमिकल था और बड़ी संख्या में कच्चा माल भी रखा हुआ था। इस कारण आग तेजी से फैली। कुछ ही देर में आग ने गोडाउन के अन्य हिस्सों को अपने चपेट में ले लिया।

लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकलों के पहुंचने तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। आग बुझाने के लिए पांच टैंकरों से ज्यादा पानी व फोम का उपयोग किया गया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। मृतक महिला का नाम सागर निवासी रामकली अहिरवार है। वह दो माह पहले रंगवासा में रहने आई थी। दूसरी महिला का नाम ज्योति पिता मनोज है। दोनों के शव अस्पताल पहुंचाए गए। पुलिस अफसरों ने कहा कि यदि इसमें किसी की लापरवाही पाई गई तो केस भी दर्ज किया जाएगा।

रेगिस्तान में सेना ने "एन्टी ड्रोन" अभ्यास किया

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान द्वारा ड्रोन का ज्यादा इस्तेमाल करने के कारण यह अभ्यास किया गया है

- सैन्य अधिकारियों ने कहा रेगिस्तानी इलाका और मौसम की स्थिति ड्रोन रोधी अभ्यास के लिए आदर्श टैस्टिंग ग्राउण्ड है।

नई दिल्ली, 01 नवंबर। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान द्वारा बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किये जाने के बाद इस तरह के हमलों से निपटने की तैयारी के तहत भारतीय सेना ने रेगिस्तानी इलाके में अग्रिम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर ड्रोन और ड्रोन रोधी अभ्यास, वायु समन्वय-दो, सफलतापूर्वक किया है।

सेना के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि रेगिस्तानी इलाका और मौसम की स्थिति दोनों तरह के अभियानों के लिए एक आदर्श टेस्टिंग ग्राउंड साबित हुई।

दो दिन का यह अभ्यास दक्षिणी कमान की देखरेख में पिछले सप्ताह 28 और 29 अक्टूबर के बीच हुआ। इस अभ्यास को विभिन्न हवाई और जमीनी प्लेटफार्म के साथ वास्तविक, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और एक प्रतिस्पर्धी संचालन वातावरण में मल्टी डोमेन कमान और नियंत्रण केंद्रों के विलय के साथ अगली पीढ़ी के युद्ध के लिए सेना की तैयारी के लिए डिज़ाइन किया गया था।

दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने अभ्यास की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यहां सीखे गए सबक सीधे क्षमता विकास और ड्रोन और ड्रोन रोधी प्रणाली को मजबूती प्रदान करने में योगदान देंगे।

यह अभ्यास मल्टी डोमेन वातावरण में आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए सेना के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एक बयान में कहा गया है, "सेना अपनी परिचालन क्षमता को आधुनिक बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और सभी डोमेन में उभरते खतरों का मुकाबला करने के लिए तत्परता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

इस अभ्यास ने सैनिकों को एक परिचालन वातावरण के तहत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ प्रयोग करने में भी सक्षम बनाया। इसने ड्रोन और काउंटर ड्रोन संचालन के लिए सैद्धांतिक सिद्धांतों को विकसित करने और परीक्षण करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे हवाई खतरों के खिलाफ सेना की जवाबी कार्रवाई की क्षमता मजबूत हुई।

'जन सुराज पार्टी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महागठबंधन या एनडीए के अलावा कोई विकल्प नहीं है। धारणा एक बात है, जबकि तथ्य कुछ और हैं। आंकड़े बताते हैं कि बिहार में 1/3 लोग न तो महागठबंधन को वोट देना चाहते हैं और न ही एनडीए को। मुझे विश्वास है कि जन सुराज कम से कम 160-170 सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले का हिस्सा बनेगा।"

यह पूछे जाने पर कि क्या वह चुनाव परिणामों के बाद अन्य पार्टियों से गठबंधन करेंगे अगर जन सुराज चुनाव में अहम भूमिका निभाता है, तो उन्होंने कहा, "हम इस तरफ या उस तरफ की राजनीति नहीं करते। अगर लोग हमें जनादेश नहीं देते हैं, तो हम अपना काम जारी रखेंगे।

मैं इसे लिखित में दे सकता हूं, न चुनाव से पहले कोई गठबंधन, न चुनाव के बाद।" इस पर, एनडीटीवी के संपादक-इन-चीफ राहुल कंवल ने किशोर से पूछा कि क्या वह वास्तव में "लिखित में देंगे", यह एक ऐसा शब्द है जिसे चुनाव रणनीतिकार अक्सर साक्षात्कारों में भविष्यवाणियाँ करते वक्त इस्तेमाल करते हैं।

फिर उनसे पूछा गया कि क्या वह एक गठबंधन पर विचार करेंगे, यदि खंडित जनादेश या त्रिशंकु विधानसभा का संकेत मिले। उन्होंने कहा, "अगर ऐसी स्थिति आती है जहां बिना हमारे बिना सरकार नहीं बन सकती, तो मुझे पता है लोग पाला बदल लेंगे। मैं उन्हें रोक नहीं पाऊंगा।" किशोर ने इसका दोष "लक्ष्मी (पैसा) के लोभ और (केन्द्रीय एजेंसी) के डर" पर डाला

उन्होंने कहा, कल्पना करें, अगर जन सुराज के 30 विधायक हैं और ये 30 सरकार बनाने के लिए अहम हैं, तो क्या ये विधायक मेरी सुनेंगे? लेकिन मैं यह कह सकता हूं कि मैं फिर भी ईमानदार रहूंगा,।"

अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, "अमित शाह से भी लिखवा लें कि अगर एनडीए बहुमत से कम रहता है, तो कोई विधायक नहीं खरीदा जाएगा। आप मुझसे पूछ रहे हैं कि हम नहीं बिकेंगे, तो आप उन लोगों से पूछिए जो खरीदेंगे।"

पहले, किशोर से उनके चुनावी रणनीतिकार के रूप में अनुभव और यह कैसे अलग है, पूछा गया कि दूसरों को चुनाव लड़ाने के मुकाबले खुद चुनाव लड़ना कैसा होता है। उन्होंने कहा, "यहां भी मैं दूसरों को चुनाव लड़वा रहा हूँ। फर्क बस इतना है कि मैंने इसके लिए एक नई संरचना बनाई है। पहले मैं तैयार संरचनाओं के साथ काम करता था।"

आरएसएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले भी प्रतिबंध लगाने के प्रयासों को अदालतों ने गलत ठहराया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसे बयान देने से पहले अपने पिछले अनुभवों से सीखना चाहिए। मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर सीधा जवाब देते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि कांग्रेस पहले भी तीन बार संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर चुकी है, लेकिन हर बार असफल रही।उन्होंने आगे कहा कि जब भी संघ पर प्रतिबंध लगाया गया, अदालतों ने उसे गलत साबित किया। ऐसे में जो नेता इस तरह की बातें कर रहे हैं, उन्हें यह सोचना चाहिए कि समाज किस दिशा में जा रहा है। सर कार्यवाह ने बताया कि कार्यकारी बैठक में देश में बढ़ते धर्मांतरण के मुद्दे पर भी गहन चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण रोकना और 'घर वापसी' को प्रोत्साहित करना अब आवश्यक हो गया है।

सज्जनगढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर बाघ का अंतिम संस्कार किया गया। मेडिकल बोर्ड में डॉ. महेन्द्र मेहता, डॉ. करमेन्द्र प्रताप सिंह एवं डॉ. हिमांशू व्यास शामिल थे। मृत बाघ कुमार ने 18 वर्ष 4 माह की उम्र पूरी की।

आँध्र की काकुलम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे घटनास्थल का दौरा करें और राहत कार्यों का निरीक्षण करें।"

इस घटना पर पीएम मोदी ने भी दुख व्यक्त किया है। पीएमओ की तरफ से एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, "आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ से बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द स्वस्थ हों। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी"

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस घटना पर संवेदना व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट के मुताबिक राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने लिखा,"आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दुखद घटना में हुई जान-माल की हानि के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करतीहूंऔर घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।"

आंध्र प्रदेश के कृषि मंत्री के. अत्चन्नायडू ने मीडिया को बताया कि नवनिर्मित वेंकटेश्वर मंदिर में हज़ारों श्रद्धालु उमड़े थे। मंदिर प्रबंधन कथित तौर पर भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त प्रबंध करने में विफल रहा। गंभीर रूप से घायल लोगों को श्रीकाकुलम के रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मंत्री ने कहा, "यह मंदिर क्षेत्र में ज़्यादा प्रसिद्ध नहीं था, लेकिन आज अप्रत्याशित रूप से 20,000 से ज़्यादा श्रद्धालु पहुँच गए। मंदिर के न्यासियों ने अधिकारियों को अपेक्षित भीड़ के बारे में सूचित नहीं किया।"

जानकारी के अनुसार, श्री वेंकटेश्वर मंदिर 12 एकड़ भूमि पर करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। करीब 20 एकड़ ज़मीन पर भक्त हरि मुकुमा पांडा द्वारा निर्मित इस मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा इसी साल मई में की गई थी।

नीरजा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयुक्त अभिभावक संघ राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अरविंद अठावाल ने कहा कि टीचर की प्रताड़ना से आहत होकर छात्रा ने खुदकुशी की। जहां से बच्ची ने छलांग लगाई, उस जगह से सबूत मिटाए गए हैं, जो गंभीर सवाल खड़े करते हैं। स्कूल और प्रशासन के रुख से लग रहा है कि घटना को दबाने और पेरेंट्स पर दोषारोपण करने की कोशिश की जा रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908